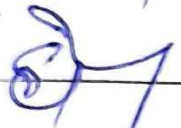


22/7/24

पत्रबन्दी पेश हुई। वही वही
शकवा वही की ओर से कोई
आश्चित नहीं है। ग्याथावय
परिहर से बाहर बार-बार आज
आवाइ गई। वावजूद आज के
भी कोई आश्चित नहीं किया है।
धीरे धीरे है कि वही अपने वाड
के प्रति उदासीन है तथा वाड को
पलाना नहीं चाहता। आज वही
का चरित्र अतः प्रेमी से उदासीन
विषय ज्ञान है। फलवत् वसुध सुख
है।


सहायक मजदूर
लालसोट जिला-राजस्थान